एचबीटीयू के 45 विद्यार्थियों को पदक, 571 को मिली डिग्री

जासं, कानपुर : हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) का सोमवार दीक्षा समारोह कैंपस के पश्चिमी प्रांगण स्थित शताब्दी भवन में हुआ, जिसकी अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। 45 छात्रों को 45 मेडल और बीटेक के 440, एमटेक के 76 व एमबीए के ... विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। मुख्य अतिथि के रूप में गैस अथॉरिटी आफ इंडिया के पूर्व सीएमडी व विवि के पूर्व छात्र डा. आशुतोष कर्नाटक मौजूद रहे। उच्च प्राथमिक विद्यालय जागेश्वर मंदिर के 16 छात्रों को बैग, किताबें आदि दीं।

कुलपति प्रो. समशेर ने ने बताया कि विवि ने 25 नवंबर को 100 परिस्थापना वर्ष पूर्ण किए हैं। मेक इन इंडिया और वोकल फार लोकल के साथ सरकार की राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति लागू की गई है। एमएससी और एमबीए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। नियमित शोधार्थी को 15 हजार रुपये प्रतिमाह सहायता राशि दी जाएगी। पिछले वर्ष शिक्षकों के

एचबीटीयू के दीक्षा समारोह में ईशानी विश्वकर्मा को स्वर्ण पदक के साथ उपाधि देतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल (बाएं से दूसरी)। साथ में गेल के पूर्व सीएमडी डा. आशुतोष कर्नाटक (बाएं) व कुलपति प्रो. समशेर (दाएं) • जागरण

101 शोधपत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हुए। 33 किताबें और 11 पेटेंट प्रकाशित किए गए। सेवायोजन 63.61 प्रतिशत और अधिकतम पैकेज 43.5 लाख रुपये वार्षिक रहा। इस वर्ष भी 277 छात्रों का सेवायोजन हो चुका है। गूगल, माइक्रोसाफ्ट व अमेजन जैसी कंपनियों ने 50 छात्रों को 12 लाख का पैकेज दिया। राज्यपाल ने फूड टेक्नोलाजी की छात्रा सुमैया फातिमा को कुलाधिपति व कुलपति स्वर्ण पदक के साथ 14 छात्र-छात्राओं को कुलपति स्वर्ण, 15 को कुलपति रजत व 15 को कुलपति कांस्य पदक दिया। मुख्य अतिथि ने बताया कि वह 1976-80 के बीच संस्थान के छात्र रहे हैं। विवि को केंद्रीय विवि का दर्जा दिलाने और शिक्षा मंत्रालय में ग्रेजुएट स्तर पर प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कोर्स शुरू करने के लिए उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की थी। सांसद सत्यदेव पचौरी, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, एमएलसी राजबहादुर सिंह चंदेल, कुलसचिव डा. नीरज सिंह मौजूद रहे।

विवि के शताब्दी भवन में आयोजित हुआ कार्यक्रम, राज्यपाल ने की समारोह की अध्यक्षता, गेल के पूर्व सीएमडी रहे मुख्य अतिथि

40 वर्ष तक बंद रही सरयू नहर परियोजना, बढ़ गई लागत

राज्यपाल ने सरयू नहर परियोजना के बारे में भी छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 40 वर्ष पहले परियोजना का शुभारंभ हुआ था। तब लागत 100 करोड़ रुपये थी, लेकिन इसमें कोई काम नहीं हुआ। 40 वर्ष तक किसानों को ठीक से पानी नहीं मिल पाया। चार वर्षों में प्रधानमंत्री ने परियोजना को पूरा कराया। अब 10 हजार करोड़ रुपये लागत आई। अगर वर्षों पहले परियोजना पूरी हो जाती तो समय व धन दोनों की बचत होती। साथ ही 25 से 30 लाख किसानों को फायदा होता। परियोजना में सरयू नदी व आसपास की नहरों का जाल बिछाकर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया गया है।

Scanned by CamScanner

[illegible] है अंशिका की [illegible]

[illegible] अंशिका को कुलपति [illegible] पदक मिला। [illegible] अंशिका के पिता [illegible] माता [illegible] गृहणी हैं।

[illegible] इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हासिल करना है मुकाम

[illegible] को कुलपति स्वर्ण पदक मिला। [illegible] इंजीनियरिंग में बीटेक करने वाली [illegible] कंपनी में काम कर रही हैं। [illegible] ने कहा कि वह [illegible] इंजीनियरिंग के क्षेत्र में मुकाम हासिल करना चाहती हैं। [illegible] के पिता [illegible] की घड़ी की दुकान है, जबकि माता रेणुका गृहणी हैं।

शिक्षक बनना चाहते हैं अनंत

[illegible]

अनंत को कुलपति स्वर्ण पदक मिला। एचबीटीयू से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक करने वाले अनंत [illegible] वाराणसी से एमटेक की पढ़ाई कर रहे हैं। अनंत ने कहा, एमटेक के बाद अगर अच्छा प्लेसमेंट मिला तो वह पहले नौकरी करेंगे। अनंत के पिता राजीव जैन व्यवसायी हैं, जबकि माता रुचि जैन सरकारी स्कूल में शिक्षिका हैं।

फूड टेक्नोलाजी के क्षेत्र में करनी रिसर्च

[illegible]

सुमैया [illegible] को कुलाधिपति और कुलपति स्वर्ण पदक दिया गया। बाबूपुरवा कालोनी की इस मेधावी छात्रा ने बताया वह फूड टेक्नोलाजी के क्षेत्र में शोध करना चाहती हैं। एमटेक कर रही सुमैया के पिता मो. आफाक का लेदर का व्यवसाय है। मां शाहिदा परवीन गृहणी हैं।

[illegible] है वैष्णवी का सपना

[illegible] वैष्णवी [illegible] को कुलपति स्वर्ण पदक मिला। [illegible] वैष्णवी के पिता [illegible] व्यवसायी हैं, जबकि माता [illegible] गृहणी हैं।

इनको मिला स्वर्ण पदक

- तनिशा अग्निहोत्री, मास्टर आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन, कुलपति स्वर्ण पदक
- [illegible] यादव, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, कुलपति स्वर्ण पदक
- [illegible], केमिकल इंजीनियरिंग, कुलपति स्वर्ण पदक
- आंबी राय, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कुलपति स्वर्ण पदक
- प्रकाश अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कुलपति स्वर्ण पदक
- उत्कर्ष वर्मा, इंफोर्मेशन टेक्नोलाजी, कुलपति स्वर्ण पदक
- आशीष कुमार, लेदर टेक्नोलाजी, कुलपति स्वर्ण पदक
- आयुषी सेठी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कुलपति स्वर्ण पदक
- वंशिका पोद्दार, पेंट टेक्नोलाजी, कुलपति स्वर्ण पदक
- सलोनी मौर्या, प्लास्टिक टेक्नोलाजी, कुलपति स्वर्ण पदक

Scanned by CamScanner